उम्मीद एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार यूपी को 2024-25 में 25 हजार करोड़ राजस्व संग्रह की उम्मीद

अयोध्या वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में अहम

लखनऊ, विशेष संवाददाता। अयोध्या धाम में श्रीरामलला की उनके भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद लाखों भक्तों का आवागमन शुरू हो गया है। कई देशी और विदेशी रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अयोध्या आने वाले समय में न सिर्फ श्रद्धालुओं की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज करने जा रहा है, बल्कि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई प्रदान करने वाला है। पूरी संभावना है कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सीएम योगी के संकल्प को पूरा करने में अयोध्या धाम एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

भारी टैक्स कलेक्शन की संभावना: हाल ही में एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राम मंदिर और अन्य पर्यटन केंद्रित गतिविधियों के कारण उत्तर प्रदेश को 2024-25 में 25 हजार करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन होने की उम्मीद है। इसमें अयोध्या सबसे अहम फैक्टर होगा। जेफरीज ने ये भी कहा है कि हजारों करोड़ खर्च कर अयोध्या धाम में निर्मित नए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, टाउनशिप और रोड कनेक्टिविटी के साथ ही नए होटलों के निर्माण से यहां का परिदृश्य बदल चुका है।

अयोध्या की वजह से यूपी के अन्य धार्मिक स्थलों की भी बढ़ेगी आय

एक अन्य अनुमान के अनुसार प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। यह संख्या जल्द ही तीन लाख श्रद्धालु प्रतिदिन हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो प्रतिवर्ष 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या पहुंचा प्रत्येक श्रद्धालु यदि 2500 रुपये भी खर्च करता है तो केवल अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था में 25000 करोड़ रुपये शामिल होंगे।

10 करोड़ श्रद्धालु प्रति वर्ष अयोध्या आने का अनुमान

दुनिया भर के धार्मिक स्थलों पर आने वालों की संख्या

स्थल	राज्य/देश	श्रद्धालु/पर्यटक	सालाना आय
तिरुपति बालाजी	आंध्र प्रदेश	2 .5 करोड़	1200 करोड़ रुपये
वैष्णो देवी	जम्मू कश्मीर	80 लाख	500 करोड़ रुपये
ताज महल	यूपी आगरा	70 लाख	100 करोड़ रुपये
आगरा फोर्ट	यूपी आगरा	30 लाख	27 .5 करोड़ रुपये
वेटिकन सिटी	वेटिकन सिटी	90 लाख	315 मिलियन डॉलर
मक्का	सऊदी अरब	2 करोड़	12 बिलियन डॉलर
वेटिकन सिटी	वेटिकन सिटी	90 लाख	315 मिलियन डॉलर